19 नवंबर 2025 को डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर (एमओयू संस्थान) में 'भूवस्त्रादि, कंपोजिट और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए सामान्य मानक और विनियम' पर तकनीकी सत्र ।

एकेडमिया, समाज के युवा दिमागों के सीखने का आधार है, जो भविष्य के मानकीकरण के लीडर बनते हैं और गुणवत्ता के प्रति सचेत समाज का निर्माण करते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा शुरू की गई नई पहल के रूप में, वस्त्रादि विभाग ने बुधवार, 19 नवंबर 2025 को बी.टेक एम.टेक, पीएचडी के छात्रों के बीच ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के लिए भूवस्त्रादि, कंपोजिट और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए सामान्य मानक और विनियम' पर तकनीकी सत्र दिया। तकनीकी सत्र में लगभग 100 छात्रों और डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया।

वस्त्रादि प्रौद्योगिकी विभाग (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर) के सहायक प्रोफेसर डॉ. जुंजरराव बापसो कांबले ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने वस्त्रादि क्षेत्र के भीतर मानकीकरण के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला और इसकी नवीन नई पहलों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो की सराहना की।

सामान्य सत्र में, श्री हिमांशु शुक्ला, वैज्ञानिक- सी/ उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग और श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक- सी/ उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'भारतीय मानक ब्यूरो मानकीकरण गतिविधि और नई पहल का अवलोकन' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। छात्रों और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर के अधिकारियों को बीआईएस के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया: -

• बीआईएस गतिविधि का अवलोकन
• मानकीकरण कार्य में भागीदारी के मानक और महत्व
• मानक विकास के लिए संरचना
• मानक तैयार करने की प्रक्रिया और मानकों के प्रकार
• वस्त्र प्रभाग परिषद द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन
• मानकीकरण गतिविधि के डिजिटलीकरण के लिए बीआईएस द्वारा की गई नई पहल, नए प्रस्ताव और मानक पोर्टल, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, आईएसओ/आईईसी में भागीदारी के माध्यम से मसौदा दस्तावेजों पर टिप्पणी।

तकनीकी सत्र में, श्री हिमांशु शुक्ला, वैज्ञानिक- सी/ उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग द्वारा द्वारा '**भूकृत्रिम के क्षेत्र में मानकीकरण**' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में, उन्होंने छात्रों और एनआईटी, जालंधर के अधिकारियों को भूकृत्रिम तकनीकी समिति, टीएक्सडी 30 द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, निर्माण और कार्यकारी आवश्यकताओं, स्थापना दिशानिर्देशों के बारे में अवगत कराया:

1) आईएस 17483 (भाग 1 और 2) : 2020 जियोसेल्स
2) आईएस 17371: 2020 लचीले फुटपाथ के लिए जियोग्रिड

3) आईएस 17373: 2020 प्रबलित मिट्टी संरचनाओं के लिए जियोग्रिड
4) आईएस 15909: 2020 लाइनिंग के लिए पीवीसी जियोमेम्ब्रेंस
5) आईएस 16393: 2015 उपसतह जल निकासी में उपयोग किए जाने वाले भू टेक्सटाइल
6) आईएस 16352: 2020 लाइनिंग के लिए उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) जियोमेम्ब्रेन
7) आईएस 16653: 2017 तटीय और जलमार्ग सुरक्षा के लिए सुई छिद्रित गैर-बुने हुए जियोबैग
8) आईएस 17880: 2022 पॉलिमर रस्सी के गेबियन
9) आईएस 18309: 2023 पूर्वनिर्मित ऊर्ध्वाधर नालियाँ
10) आईएस 14715 भाग 1: 2016 जूट जियोटेक्सटाइल्स (सड़कों में उप-ग्रेड का सुदृढ़ीकरण)
11) आईएस 14715 भाग 2: 2016 जूट जियोटेक्सटाइल्स (नदियों में तट कटाव का नियंत्रण और जलमार्ग
12) आईएस 15869: 2020 टेक्सटाइल्स ओपन वीव नारियल जटा के भूवस्त्र।

श्री स्वप्रिल, वैज्ञानिक- सी/ उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग द्वारा 'समग्र और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए मानक और विनियमन' पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। प्रेजेंटेशन में उन्होंने छात्रों और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर के अधिकारियों को समिति टीएक्सडी 40 द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, प्रदर्शन की आवश्यकता और परीक्षण विधि से अवगत कराया: -

1) आई एस 11273: 2023, वस्त्रादि — 'ई' ग्लास फाइबर के बुने हुए रोविंग कपड़े — विशिष्टि
2) आई एस 11320: 2024, वस्त्रादि — पॉलिएस्टर, फेनोलिक, विनाइल एस्टर और एपॉक्साइड थर्मोसेट रेजिन सिस्टम के सुदृढीकरण के लिए ग्लास फाइबर रोविंग — विशिष्टि
3) आई एस 11551: 2024, वस्त्रादि — एपॉक्सी, विनाइल एस्टर, फेनोलिक और पॉलिएस्टर थर्मोसेट रेजिन सिस्टम के सुदृढीकरण के लिए ग्लास फाइबर से कटा हुआ स्ट्रैंड मैट — विशिष्टि
4) आई एस 17597: 2021, वस्त्र कांच — धागे — मानक का आधार

यह बताया गया कि स्वदेशी भारतीय मानकों को भारतीय मानक ब्यूरो की वेबसाइट से मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है जिसका उपयोग छात्र/संकाय सदस्य अपने अध्ययन/अनुसंधान कार्य के लिए कर सकते हैं।

सत्र के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया और छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया। डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर के अधिकारियों और छात्रों द्वारा व्याख्यान और बीआईएस की नई पहल की काफी सराहना की गई कपड़ा प्रौद्योगिकी विभाग (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर) के सहायक प्रोफेसर डॉ. जुंजरराव बापसो कांबले ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह व्याख्यान छात्रों/अधिकारियों के लिए उनके ज्ञान वृद्धि और बीआईएस द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरूकता के लिए सहायक था।

TECHNICAL SESSION ON 'GENERAL STANDARDS AND REGULATIONS FOR GEOSYNTHETICS & COMPOSITE AND HIGH – PERFORMANCE FIBRE' ON 19 NOVEMBER 2025 AT DR. B. R. AMBEDKAR NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY, JALANDHAR (MoU INSTITUTE)

Academia is the learning ground for the young minds of the society who become the leaders for tomorrow for future standardization and build a society with quality consciousness.

As a part of new initiative by Bureau of Indian Standards, Textiles department delivered a technical session on **"General Standards and Regulations for Geosynthetics & Composite and High – Performance Fibre"** to enhance the knowledge and awareness among students (B.Tech/M.Tech/Ph.D.) on **19 November 2025** at **Dr. B. R. Ambedkar National Institute of Technology, Jalandhar**. The session was attended by about 100 participants including students and NITJ officials.

Dr. Zunjarrao Bapuso Kamble, Assistant Professor, Department of Textile Technology (NIT Jalandhar), warmly welcomed the participants in his opening address. He highlighted the critical importance of standardization within the textile sector and commended the Bureau of Indian Standards for its innovative new initiatives.

In general session, a detailed presentation on '**An overview of BIS Standardization Activity and New Initiative'** was delivered jointly by **Shri Himanshu Shukla, Scientist-C/Deputy Director, Textiles and Shri Swapnil, Scientist-C/Deputy Director, Textiles**. The students and NITJ officials were apprised of the following important aspects about BIS: −

- An overview of BIS Activity
- Standards & importance of participation in standardization work
- Structure for Standards Development
- Process of standard formulation and types of standards
- Overview of work carried out by Textiles Division Council
- New initiatives taken by BIS for Digitization of Standardization Activity, new proposal and commenting on draft documents through Standards Portal, R & D projects, Participation at ISO/IEC.

In technical session, a detailed presentation on '**Standardization in the Field of Geosynthetics'** was delivered by **Shri Himanshu Shukla**, **Scientist-C/Deputy Director**, **Textiles**. In presentation, he apprised the students and NIT, Jalandhar officials about the salient features, constructional and performance requirements, installation guidelines of the following important Indian standards published by the committee TXD 30:

1) IS 17483 (Part 1 & 2) : 2020 Geocells
2) IS 17371 : 2020 Geogrids for flexible pavements
3) IS 17373 : 2020 Geogrids for reinforced soil retaining structures
4) IS 15909 : 2020 PVC Geomembranes for Lining
5) IS 16393 : 2015 Geotextiles used in subsurface drainage
6) IS 16352 : 2020 High density polyethylene (HDPE) geomembranes for lining
7) IS 16653 : 2017 Needle punched nonwoven geobags for coastal and waterways protection
8) IS 17880 : 2022 Polymer Rope Gabions
9) IS 18309 : 2023 Prefabricated Vertical Drains

10) IS 14715 Part 1: 2016 Jute Geotextiles(Strengthening of sub-grade in roads)
11) IS 14715 Part 2: 2016 Jute Geotextiles(Control of bank erosion in rivers and
12) waterways)
13) IS 15869 : 2020 for Textiles Open Weave Coir Bhoovastra etc.

The session also highlighted the important role of standards in ensuring performance, quality and safety of the products and thereby ensuring longevity of infrastructure projects, minimizing the risk of failures and accidents.

A detailed presentation on **'Standards and regulation for Composite and High – Performance Fibre'** was also delivered by **Shri Swapnil, Scientist-C/Deputy Director, Textiles**. In the presentation, he apprised the students and NITJ officials about the salient features, performance requirement and test method of the following important Indian standards published by the committee TXD 40: -

1) IS 11273 : 2023, Woven Roving fabrics of E Glass Fibre
2) IS 11320 : 2024, Glass Fibre Rovings for the Reinforcement of Polyester, Phenolic, Vinyl Ester and of Epoxide Thermoset Resin Systems
3) IS 11551 : 2024, Glass Fibre Chopped Strand Mat for the Reinforcement of Epoxy, Vinyl Ester, Phenolic and Polyester Thermoset Resin Systems
4) IS 17597 : 2021, Textile glass — Yarns — Basis for a specification

It was informed that Indigenous Indian Standards have been made freely downloadable from BIS website which can be utilized by students/faculty members for their study/research work.

The session was followed by a brief Q & A and all the queries raised by students and faculty members were resolved. The session and the new initiative of BIS was well appreciated by officials and the students of NITJ followed by a heartfelt vote of thanks by Dr. Zunjarrao Bapuso Kamble, Assistant Professor, Department of Textile Technology (NIT Jalandhar). The session was helpful for students/officials for their knowledge enhancement and awareness on various activities being carried out by BIS.

TECHNICAL SESSION
ON
GENERAL STANDARDS AND
REGULATIONS FOR
GEOSYNTHETICS &
COMPOSITES AND
HIGH-PERFORMANCE FIBRES
By :
Shri Himanshu Shukla, Sc. C/DD,
Shri Swapnil, Sc. C/DD
Textiles Department, BIS
Date: 19th November 2025
Venue: Dr B R Ambedkar NIT
Jalandhar

IS 17371 : 2020 Geogrids for Flexible Pavements
TECHNICAL SESSION
ON
GENERAL STANDARDS AND
REGULATIONS FOR
GEOSYNTHETICS &
COMPOSITES AND
By :
Textiles Department, BIS
Date: 19th November 2025
Jalandhar

Installation Guidelines
Site preparation
Installation
Geobag filling and laying
Post installation precautions
TECHNICAL SESSION
ON
GENERAL STANDARDS AND
REGULATIONS FOR
GEOSYNTHETICS &
COMPOSITES AND
HIGH-PERFORMANCE FIBRES
By :
Shri Himanshu Shukla, Sc. C/DD,
Shri Swapnil, Sc. C/DD
Textiles Department, BIS
Date: 19th November 2025
Venue: Dr B R Ambedkar NIT
Jalandhar

Bureau of Indian Standards
IS 11551 : 2024 Textiles — Glass Fibre Chopped Strand Mat for
the Reinforcement of Epoxy, Vinyl Ester, Phenolic and Polyester
TECHNICAL SESSION
ON
GENERAL STANDARDS AND
REGULATIONS FOR
GEOSYNTHETICS &
COMPOSITES AND
HIGH-PERFORMANCE FIBRES
Textiles Department, BIS
Date: 19th November 2025
Venue: Dr B R Ambedkar NIT
Jalandhar

Technical Division Councils
Chemical
Civil Engineering
Electro technical
Food and Agriculture
Petroleum , Coal & Related Products
Production and General Engineering
Services Sector
GENERAL STANDARDS AND REGULATIONS FOR GEOSYNTHETICS & COMPOSITES AND HIGH-PERFORMANCE FIBRES
By :
Shri Himanshu Shukla, Sc. C/DD,
Shri Swapnil, Sc. C/DD
Textiles Department, BIS
Date: 19th November 2025
Venue: Dr B R Ambedkar NIT Jalandhar

IS 11273 : 2023 Textiles Woven Roving Fabrics of E Glass Fibre Specification (Second Revision)

EXIT